सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
मूल्य ₹ 3/-
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 8 ● अंक: 316 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, मंगलवार, 27 दिसम्बर, 2022

कड़वाहट कैंसर की तरह है। ये कड़वाहट रखने वाले को खा जाती है। लेकिन क्रोध आग की तरह है। ये सब कुछ जला कर साफ कर देता है।
-माया एंजिलो

अमेरिका के ब्लैक लिस्टेड विश्वविद्यालय... 2 | 2024 की दिशा तय करेंगे 2023... 3 | यूपी जल निगम: वेतन-पेंशन न... 7

अदालत के फरमान से योगी सरकार को लगा बड़ा झटका

उत्तर प्रदेश में बिना ओबीसी आरक्षण के होंगे निकाय चुनाव

सरकार को तुरंत नगर निकाय चुनाव कराने के दिये हैं आदेश

» अदालत ने सरकार के 2017 के ओबीसी रैपिड सर्वे को नहीं माना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी निकाय चुनावों को लेकर हाईकोर्ट का बड़ा फैसला मंगलवार को आ गया है। हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने यूपी सरकार को झटका देते हुए निकाय चुनावों के लिए जारी ड्राफ्ट नोटिफिकेशन को खारिज कर दिया है। इसके साथ ही राज्य सरकार को बगैर पिछड़ा वर्ग आरक्षण निकाय चुनाव कराने के आदेश दिए हैं। फैसले के बाद ओबीसी के लिए आरक्षित अब सभी सीटें जनरल मानी जाएंगी। अदालत का कहना है कि जब तक सुप्रीम कोर्ट की तरफ से निर्धारित ट्रिपल टेस्ट ना हो, तब तक आरक्षण नहीं माना जाएगा।

इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने मंगलवार को 70 पेजों का फैसला सुनाया। हाईकोर्ट ने अपने फैसले में 2017 के ओबीसी रैपिड सर्वे को नकार दिया है। यह निर्णय न्यायमूर्ति देवेंद्र कुमार उपाध्याय और न्यायमूर्ति सौरभ लवानिया की खंडपीठ ने इस मुद्दे पर दाखिल 93 याचिकाओं पर एक साथ पारित किया। यूपी सरकार हाईकोर्ट के इस फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट जा सकती है। लखनऊ बेंच ने यूपी सरकार की तरफ से निकाय चुनाव में किए गए ओबीसी आरक्षण को रद्द कर दिया है। ओबीसी के लिए आरक्षित सभी सीटें अब जनरल मानी जाएंगी। अदालत ने निकाय चुनाव तत्काल कराने के भी निर्देश राज्य सरकार को दिए हैं।

पिछड़ा वर्ग आरक्षण के लिए बनाया जाए आयोग अदालत का कहना है कि पिछड़ा वर्ग को आरक्षण देने के लिए एक आयोग बनाया जाए। यूपी सरकार के जवाब से हाईकोर्ट संतुष्ट नहीं था। अदालत में पिछली सुनवाई 24 दिसंबर को हुई थी। सुनवाई के बाद याचिकाकर्ता के वकील ने बताया था कि यूपी सरकार ने अपने हलफनामे में अपने एक्शन को डिफेंड किया कि जो हमने नोटिफिकेशन जारी किया है वो बिल्कुल सही तरीके से जारी किया है। लेकिन कोर्ट उनसे बहुत ज्यादा संतुष्ट नहीं थी। कोर्ट का कहना था कि आपने जो ये एक्सरसाइज की है उसका कोई डाटा नहीं है। बिना डाटा के ये एक्सरसाइज पूरी कैसे कर ली है। कोर्ट उनसे डाटा मांग रही थी लेकिन सरकार ने कोर्ट के समक्ष कोई डाटा प्रस्तुत नहीं किया है।

ट्रिपल टेस्ट में पिछड़ेपन की प्रकृति का होता है आकलन

नगर निकाय चुनावों में ओबीसी का आरक्षण निर्धारित करने से पहले एक आयोग का गठन किया जाएगा, जो निकायों में पिछड़ेपन की प्रकृति का आकलन करेगा। इसके बाद पिछड़ों के लिए सीटों के आरक्षण को प्रस्तावित करेगा। दूसरे चरण में स्थानीय निकायों द्वारा ओबीसी की संख्या का परीक्षण कराया जाएगा और तीसरे चरण में शासन के स्तर पर सत्यापन कराया जाएगा।

रैपिड सर्वे में जिला प्रशासन की देखरेख में होती है गणना

रैपिड सर्वे में जिला प्रशासन की देखरेख में नगर निकायों द्वारा वार्डवार पिछड़ा वर्ग की गिनती कराई जाती है। इसके आधार पर ही ओबीसी की सीटों का निर्धारण करते हुए इनके लिए आरक्षण का प्रस्ताव तैयार कर शासन को भेजा जाता है।

कांग्रेस नेता जयराम रमेश का भाजपा पर बड़ा आरोप

भारत जोड़ो यात्रा को बदनाम करना चाहती है मोदी सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने भाजपा पर बड़ा आरोप लगाया है। उन्होंने कहा है कि मोदी सरकार भारत जोड़ो यात्रा की निगरानी के लिए खुफिया एजेंसियों का इस्तेमाल कर रही है। मीडिया से बातचीत में कहा है कि केंद्र सरकार भारत जोड़ो यात्रा को बदनाम करने के लिए हर रोज नए-नए हथकंडे अपना रही है।

कहा कि यात्रा में बच्चों का इस्तेमाल करने पर चुनाव आयोग और केंद्रीय बाल अधिकार आयोग ने कांग्रेस को नोटिस जारी किया। लेकिन, प्रधानमंत्री मोदी ने अपने गुजरात विधानसभा चुनाव अभियान में एक छोटी बच्ची का इस्तेमाल किया। जबकि हमने चुनाव आयोग और बाल अधिकार आयोग को सूचित किया, मगर कोई कार्रवाई नहीं की गई है। कहा कि कुछ दिन पहले जब यात्रा हरियाणा में थी, तब सरकारी अधिकारी लोगों के आराम करने के लिए कंटेनर में मिले थे उससे पूछा गया तो बताया गया कि वह शौचालय का उपयोग करने आया था। हमें जानकारी मिली है कि ये अधिकारी हरियाणा सरकार के खुफिया विभाग के हैं। जयराम रमेश ने कहा कि चूंकि डबल इंजन की सरकार थी, इसलिए यह सत्यापन ऊपर से आदेश के बाद ही हुआ होगा। इस संबंध में सोहना थाने में शिकायत दर्ज कराई गई थी। लेकिन, हमारी यात्रा पूरी तरह पारदर्शी है। हमारे पास छिपाने के लिए कुछ भी नहीं है।

हर रोज नए हथकंडे अपनाए जा रहे हैं

भाजपा सरकार ने न्याय व्यवस्था चौपट कर दी है : अखिलेश यादव

» सपा प्रमुख ने जेल में पूर्व विधायक दीप नारायण यादव से की मुलाकात

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

झांसी। झांसी पहुंचे पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने तीन माह से जेल में बंद सपा के पूर्व विधायक दीपनारायण सिंह यादव से जेल में तकरीबन आधे घंटे मुलाकात की। बाहर आकर उन्होंने भाजपा की प्रदेश और केंद्र सरकार पर जमकर हमला बोला।

अखिलेश ने कहा कि भाजपा सरकार ने न्याय व्यवस्था खत्म कर दी है, इस सरकार से न्याय की उम्मीद नहीं की जा सकती है। सपा कार्यकर्ताओं को चिन्हित कर षड्यंत्र के तहत झूठे मुकदमे लगाकर जेल भेजा जा रहा है। अधिकारियों पर दबाव बनाकर भाजपा सरकार ने पूर्व विधायक दीप नारायण यादव को जेल भेजने का काम किया है। सपा प्रमुख ने कहा कि हाल ही में फर्रुखाबाद में एक लाख से अधिक बेरोजगारों ने अग्निवीर की परीक्षा दी थी, नौकरी सिर्फ 200 कोई मिल पाई है। सीमा पर चीन भारत में घुसता चला रहा है और बाजार भी उसके हवाले कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार अभी मैनपुरी में मिली हार से उबर नहीं पाई है। बता दें कि कुख्यात लेखराज सिंह यादव को पुलिस कस्टडी से छुड़ाने की कोशिश करने के आरोप में सपा के पूर्व विधायक दीपनारायण सिंह यादव पिछले तीन महीनों से जेल में बंद हैं। जेल में उनसे मिलने के लिए पहले पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव 22 दिसंबर को झांसी आने वाले थे, परंतु पुलिस लाइन के हैलीपेड पर हेलिकॉप्टर उतारने की अनुमति न मिलने की वजह से उनका दौरान रद्द हो गया था।

भारत जोड़ो यात्रा के निमंत्रण पर कहा- चंडूखाने की गप्प

कांग्रेस की ओर से भारत जोड़ो यात्रा में शामिल होने के लिए सपा और बसपा को निमंत्रण भेजा गया है। भारत जोड़ो यात्रा शामिल होने के सवाल पर समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बड़ा बयान दिया है। सपा प्रमुख ने कहा कि आपने एक कहावत सुनी है 'चंडूखाने की गप्प'। कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा 9 राज्यों से होते हुए दिल्ली पहुंची है। इस दौरान भारत जोड़ो यात्रा के तहत राहुल गांधी ने करीब 3 हजार किमी का सफर तय किया है। 3 जनवरी से भारत जोड़ो यात्रा यूपी में एंट्री करेगी। कांग्रेस ने भारत जोड़ो यात्रा में शामिल होने के लिए बहुजन समाजवादी पार्टी और समाजवादी पार्टी को निमंत्रण भेजा है। अखिलेश यादव एक कार्यक्रम में भारत जोड़ो यात्रा में शामिल होने पर सवाल किया गया। इस पर उन्होंने कहा कि हमारी भावना है भारत जोड़ो यात्रा के साथ, यह कहानी आप अपने आप मत बनाइए। वो कहावत है न 'चंडूखाने की गप्प'।

सपा सरकार में आतंकी और दंगाइयों पर दर्ज मुकदमे किये गये वापस : भूपेंद्र चौधरी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश की राजधानी लखनऊ में प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी की अध्यक्षता में बीजेपी प्रदेश इकाई की बैठक हुई। बैठक में पार्टी संगठन, आगामी चुनाव और चुनाव अभियान से संबंधित कई मुद्दों पर चर्चा हुई है। बैठक के बाद प्रदेश अध्यक्ष ने बताया कि आज पार्टी संगठन के अभियानों की समीक्षा हुई। इसके अलावा आगामी अभियानों को लेकर चर्चा की गई है। पार्टी निकाय चुनावों की तैयारियों में जुटी हुई है। उसके लिए जनप्रतिनिधियों का चयन किया जाएगा। यूपी सरकार कानून पालन के लिए लगी है।

प्रदेश अध्यक्ष ने आगे कहा कि निकाय चुनाव की तैयारियों में बीजेपी जुटी हुई है। जैसे ही कोर्ट से फैसला आता है हम प्रत्याशी चयन की प्रक्रिया शुरु कर देंगे। संगठन में पुनर्गठन केंद्रीय नेतृत्व की अनुमति पर किया जाएगा। मनोनीत कोटे की एमएलसी की छह सीटों के लिए नाम केंद्रीय नेतृत्व को भेज दिए गए हैं। वहां से जैसे ही नाम आएगा उसे घोषित कर दिया जाएगा। सपा प्रमुख पर निशाना साधते हुए उन्होंने आगे कहा कि अखिलेश यादव के सामने संकट है। उनकी पार्टी और उनके जनप्रतिनिधियों का इतिहास उसी तरह का है। सपा शासन काल में आतंकियों और दंगाइयों के मुकदमें वापल लेने का काम हुआ है।

सलमान ने भगवान राम से की राहुल की तुलना, कहा-वो तपस्या कर रहे हैं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अमरोहा। जिले के गजरौला में कांग्रेस नेता व पूर्व विदेश मंत्री सलमान खुर्शीद और प्रदेश के पूर्व कैबिनेट मंत्री नसीमुद्दीन सिद्दीकी ने कहा कि कांग्रेस पर देश के बंटवारे का आरोप वह पार्टी लगा रही है, जिसके किसी भी नेता ने देश की आजादी के लिए एक डंडा तक नहीं खाया।

हमको हर हाल में आजादी चाहिए थी, इसलिए दुखी मन से विभाजन का निर्णय स्वीकार करना पड़ा। कांग्रेस नेता सलमान खुर्शीद ने भारत जोड़ो यात्रा कर रहे सांसद राहुल गांधी की तुलना भगवान राम से की। उन्होंने कहा कि भगवान राम की खड़ाऊ बहुत दूर तक जाती हैं। कभी-कभी जब कहीं नहीं पहुंच पाते हैं तो भरत उनकी खड़ाऊ लेकर उन स्थानों पर जाते हैं। इसी तरह उनके खड़ाऊ लेकर हम यूपी में आए हैं। अब वह खड़ाऊ यूपी में आ गए हैं तो राम जी (राहुल गांधी) भी आएंगे। खुर्शीद ने आगे कहा कि राहुल गांधी महामानव हैं। जहां सर्दी में हम लोग जमे जा रहे हैं और जैकेट पहन रहे हैं, वहीं वह टी-शर्ट पहनकर (भारत जोड़ो यात्रा में) चल रहे हैं। वह एक योगी की तरह ध्यान लगाकर तपस्या कर रहे हैं।

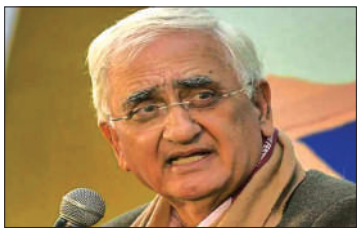

अमेरिका के ब्लैक लिस्टेड विश्वविद्यालय के साथ योगी सरकार ने किया एमओयू : संजय सिंह

» आप सांसद ने इन्वेस्टर्स समिट को लेकर भाजपा पर लगाए आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में होने वाले ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2023 से पहले आम आदमी पार्टी से राज्यसभा सांसद और यूपी प्रभारी संजय सिंह ने योगी सरकार पर बड़ा आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि अमेरिका के ऑस्टिन विश्वविद्यालय के साथ 35 हजार करोड़ का एमओयू साइन किया, जो पहले से ब्लैक लिस्टेड है।

इसके साथ ही वह विश्विद्यालय जमीन पर है ही नहीं। आप सांसद ने इसे बड़ा घोटाला बताया है, इसलिए उन्होंने मांग की है कि योगी सरकार इन्वेस्टर समिट को लेकर सरकार वाइट पेपर जारी करे। इन्वेस्टर्स सम्मिट 2023 को लेकर भाजपा सरकार यूपी में बड़ा निवेश लाने की बात कह रही है, लेकिन आम आदमी पार्टी के द्वारा लगाए गए इस आरोप के बाद एक बार फिर भाजपा सवालों के घेरे में आ गई है। संजय सिंह ने कहा कि इसके जरिए से अधिकारी और मंत्री प्रदेश की जनता का पैसा विदेश घूमने में उड़ा रहे हैं। इस घोटाले में शामिल होने वाले सभी लोगों के खिलाफ कार्रवाई और रिकवरी की मांग की है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि हमारी पार्टी 1 जनवरी से प्रदेश में सेल्फी विथ कूड़ा अभियान चलाएगी।

यूपी में दस लाख करोड़ निवेश लाने के कवायद के तहत ही यूपी की कई टीमों को विदेशों में रोड शो के लिए भेजा गया था। सभी टीमें वापस लौट आई हैं और उन्होंने मुख्यमंत्री को फीडबैक दिया है कि कुल मिलाकर लगभग सात लाख करोड़ रुपये के निवेश के प्रस्ताव मिले हैं।

मंत्री धर्मपाल सिंह का कांग्रेस पर हमला, बोले-

कांग्रेस अंग्रेजों का बनाया हुआ दल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बरेली। योगी सरकार में कैबिनेट मंत्री धर्मपाल सिंह ने कांग्रेस को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि कांग्रेस अंग्रेजों का बनाया हुआ दल है। अंग्रेज कांग्रेस के जरिए अपनी बात को देश में रखना चाहते थे। इसीलिए पीएम नरेंद्र मोदी कांग्रेस मुक्त भारत की बात करते हैं। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि राहुल गांधी पहले कांग्रेस को तो जोड़ लें फिर भारत जोड़ने की बात करें।

कैबिनेट मंत्री धर्मपाल सिंह ने बरेली के सर्किट हाउस में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी भारत जोड़ो यात्रा कर रहे हैं, लेकिन पहले राहुल गांधी कांग्रेस को जोड़ लें। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कांग्रेस मुक्त भारत की बात इसलिए करते हैं, क्योंकि कांग्रेस अंग्रेजों का बनाया हुआ दल था। अंग्रेजों ने इस दल को इसलिए बनाया था ताकि वह देशवासियों को सामने अपनी बात को कांग्रेस के माध्यम से रख सकें और अपनी बात को मनवा सकें। धर्मपाल सिंह ने मदरसों को लेकर कहा कि वह चाहते हैं कि मदरसों में पड़ने वाला गरीब मुसलमान का बच्चा भी देश का आदर्श नागरिक बने। यही वजह है कि मदरसों में बेसिक शिक्षा के सभी नियम लागू किए जाएंगे।

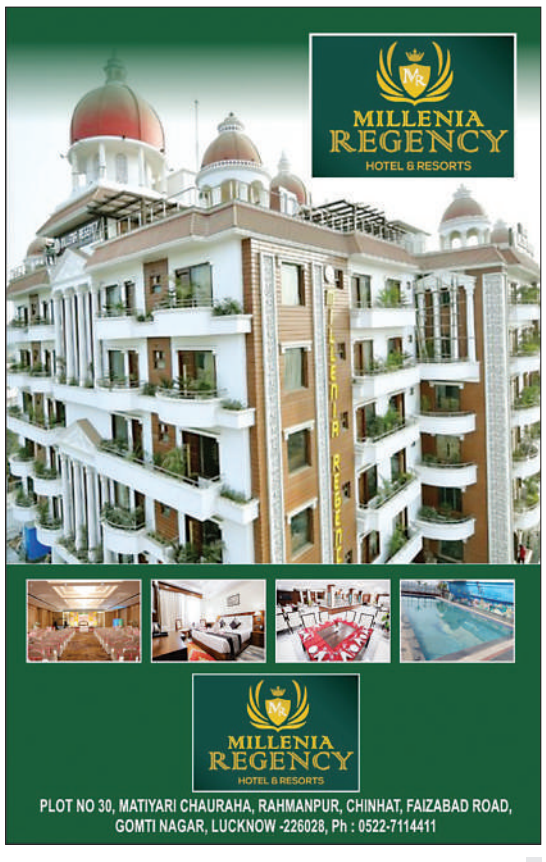

फिर मंडराया कोरोना का खतरा

सरकारी सुविधाओं में सुधार जरुरी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। दुनिया में कोरोना की शुरुआत चीन से हुई थी। चीन से आये इस वायरस ने विश्व में बड़ी तबाही मचाई। इस जानलेवा बीमारी की चपेट में आने से परिवार के परिवार खत्म और बर्बाद हो गए। अब फिर एक बार इस वायरस का खतरा मंडराने लगा है और चीन में इससे बने हालात से दूसरे मुल्क भयभीत है। इस डर से भारत भी अछूता नहीं है।

मीडिया में जिस प्रकार से चीन के हालात दिखाए जा रहे हैं उससे हर कोई कोरोना के संकट को लेकर चिंचित है। भारत में कोरोना की दो लहर आ चुकी हैं, जिनमें लाखों लोगों इस महामारी का शिकार हुए हैं। अगर मौतें के मामले में देश के सबसे बड़े राज्य यूपी की बात करें तो भले ही यहां के सरकारी आंकड़े कुछ भी रहे हो, मगर विपक्षी दलों के कोरोना मौत के दावे कुछ और ही कहानी बयां करते हैं। प्रदेश में पिछले दौर की पुनरावृति न हो इसके लिए राज्य की योगी सरकार को कोरोना की स्थिति के मद्देनजर इस बार जनता को दी जाने वाली सुविधाओं में समय रहते सुधार करना होगा।

लाशों का ढेर

यूपी में शमसान घाट में सिर्फ कोरोना से मरने वालों की चिताएं दूर-दूर तक नजर आ रहीं थी। गंगा में तैरती लाशें गवाही दे रहीं थीं कि सरकार कोरोना के समय में पूरी तरह असफल रही थी।

अपनी कमियों को छुपाने में लगी रही सरकार

देश में चुनावी रैलिया भी उस दौरान होती रही और हरिद्वार में महाकुंभ मेला चलता रहा जिसके कारण देश में लगातार मामले बढ़ते गए। सरकार ने ढील छोड़ी और अंजाम हर तरफ मौत का मंजर नजर आने लगा। प्रदेश में सभी अस्पतालों में ऑक्ससीजन की कमी के चलते हजारों लोगों ने अपनी जान गंवा दी। यूपी के शमसान घाट में सिर्फ कोरोना से मरने वालों की चिताएं दूर-दूर तक नजर आ रहीं थी। बीमार परिजनों को लेकर लोग अस्पतालों में बिस्तरों की तलाश में भटकते नजर आए। वही ऑक्सीजन के लिए सिलिंडरों की कतारों में खड़े लोगों की तस्वीर आने लगी। ब्लैक मार्केट से लोग दवाइयां खरीदी को मजबूर हो गये। इस मुश्किल वक्त में भी कीमत से ज्यादा पैसे लिए जा रहे थे। कोरोना से मरने वालों के शरीरों को जानवर अपना भोजन बना रहे थे और भाजपा सरकार अपनी नाकामयाबी छुपाने में लगी हुई थी।

2024 की दिशा तय करेंगे 2023 में होने वाले नौ राज्यों के चुनावी नतीजे

» भाजपा और कांग्रेस में होगी प्रमुख जंग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पिछले चुनावी नतीजों ने देश की आगामी राजनीति के लिए बड़े संकेत दिए हैं। एक ओर दिल्ली एमसीडी चुनावों में जहां बीजेपी की 15 साल की सत्ता को 10 साल पुरानी आम आदमी पार्टी ने उखाड़ फेंका, तो वहीं हिमाचल प्रदेश में भी भारतीय जनता पार्टी को कांग्रेस के हाथों मात खानी पड़ी और अपनी सत्ता गंवानी पड़ी। हालांकि, गुजरात से एक बार फिर भाजपा के लिए राहत की खबर आई और उसने वहां अपना वर्चस्व कायम रखते हुए रिकॉर्ड सीटों पर जीत हासिल कर सत्ता में वापसी की। वैसे भाजपा भी जानती है कि गुजरात की जीत उसके लिए कोई बड़ी बात नहीं है और फिर भी उसने इस जीत को हासिल करने के लिए जी तोड़ मेहनत की। वहीं यूपी के उपचुनावों के नतीजों को देखें, तो यहां भी भाजपा के लिए नतीजे विचारणीय ही रहे।

मैनपुरी लोकसभा और खतौली विधानसभा उपचुनाव में जहां भाजपा को करारी शिकस्त झेलनी पड़ी, तो वहीं रामपुर विधानसभा उपचुनाव में भाजपा ने पहली बार अपना 'कमल' खिलाया। साल के अंत में हुए ये चुनाव साल 2023 के सियासी रण की नजर से भी काफी अहम हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि 2024 के लोकसभा चुनावों से पहले साल 2023 में नौ राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं। इन 9 राज्यों के विधानसभा चुनाव के परिणाम 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए एक बड़ा संकेत होंगे, क्योंकि 2023 को 2024 के सेमीफाइनल की नजर से देखा जा रहा है। जिन नौ राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं उनमें मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, कर्नाटक, तेलंगाना, मेघालय, त्रिपुरा, नगालैंड और मिजोरम के नाम शामिल हैं। इनमें से चार राज्यों में साल के शुरू में और पांच राज्यों में साल के आखिर में चुनाव होने हैं। इनमें हिंदी भाषी राज्यों से लेकर दक्षिण और नॉर्थ ईस्ट के राज्य भी शामिल हैं। ऐसे में 2023 के चुनावी नतीजे 2024 के चुनावों की एक बड़ी दिशा तय करेंगे।

भाजपा-कांग्रेस में होगा सेमीफाइनल मुकाबला

2024 के आम चुनाव से पहले होने वाले इन चुनावों में सीधा मुकाबला देश की सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी और प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस के बीच होगा। हालांकि, इन राज्यों के छोटे दलों के लिए भी ये चुनाव अहम होंगे, मगर 2024 के आम चुनावों को ध्यान में रखते हुए इन राज्यों के चुनावी नतीजों में सबकी नजरें भाजपा और कांग्रेस पर ही होंगी। नौ में से चार राज्यों में मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ और कर्नाटक में कांग्रेस और बीजेपी का सीधा मुकाबला है। ऐसा इसलिए भी क्योंकि चार में से दोनों पार्टियों की दो-दो प्रदेशों में सत्ता है। राजस्थान और छत्तीसगढ़ में जहां कांग्रेस सत्ता पर काबिज है, तो वहीं मध्य प्रदेश और कर्नाटक की सत्ता पर भाजपा का कब्जा है। ऐसे में बीजेपी की कोशिश रहेगी कि अपने इन दोनों किलों को बचाकर कांग्रेस के गढ़ में सेंध लगाई जाए। वहीं, कांग्रेस की जद्दोजहद अपने किले बचाकर बाकी दो राज्यों में सत्ता वापसी की रहेगी। अगर कांग्रेस इन चुनावों में बेहतर प्रदर्शन करती है तो पीएम मोदी के नेतृत्व वाले एनडीए को टक्कर देने वाले एक मजबूत विपक्षी धुरी के तौर पर उभर कर सामने आएगी। अगर बीजेपी का प्रदर्शन बेहतर हुआ तो आम चुनावों में उसे मनोवैज्ञानिक फायदा होगा। तेलंगाना सहित बाकी के पूर्वोत्तर के राज्य क्षेत्रीय दलों के अलावा बीजेपी और कांग्रेस के लिए अहम हैं। तेलंगाना में बीजेपी केसीआर की बीआरएस को सत्ता से दखल करने में लगी है। बीजेपी के लिहाज से त्रिपुरा भी अहम है, जहां पिछली बार उसने लेफ्ट के किले को ध्वस्त कर अपनी सरकार बनाई थी। बीजेपी की कोशिश इसे भी बचाने की रहेगी। अगर बाकी राज्यों में क्षेत्रीय दलों ने अपना प्रदर्शन बेहतर किया तो देश में छोटे दलों की अहमियत भी रहेगी।

बीजेपी के सामने विपक्षी एकजुटता की कवायद

देश की राजनीति में एक ओर जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने चेहरे के दम पर भारतीय जनता पार्टी की नैय्या को पार कर रहे हैं, तो वहीं दूसरी ओर नरेंद्र मोदी का मुकाबला करने के लिए सभी विपक्षी दल एकजुट होने का प्रयास कर रहे हैं। सबसे प्रमुख विपक्षी दल के रूप में कांग्रेस लगातार बनी हुई है। वहीं नीतीश कुमार, ममता बनर्जी, केसीआर और अरविंद केजरीवाल भी अलग-अलग क्षेत्रीय दलों के साथ मिलकर एक मजबूत गठबंधन विपक्ष तैयार करने की कवायद में जुटे हैं। देश की सियासत में तेजी से अपनी जगह बनाती आम आदमी पार्टी भी कांग्रेस से नजदीकियों की कोशिश में लगी है। लोकसभा चुनावों में दिल्ली में बीजेपी के विजयी रथ को रोकने के लिए वह आप कांग्रेस से हाथ मिलाना चाह रही है, ताकि बीजेपी के खिलाफ वोट न बंट सकें। नीतीश कुमार भी जिस राज्य में जो क्षेत्रीय दल हैं, वहां उनकी संभावनाओं को देखते हुए बड़ी पार्टियों के साथ गठबंधन का फॉर्मूयुला सामने रख आगे बढ़ने की विकल्प दे रहे हैं।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

मुफ्त अनाज से साकार होगा विश्वगुरु का सपना

पिछले आंकड़ों की बात करें तो भारत अपने पड़ोसी मुल्क नेपाल, पाकिस्तान, बांग्लादेश और श्रीलंका से भी निचले स्थान पर आ गया है। आगे आबादी के पैमाने पर भारत दुनिया का सबसे बड़ा देश बनने जा रहा है। इस तरह भोजन और पोषण संबंधी चुनौतियां उत्तरोत्तर और बढ़ती जा रही हैं और उत्पादन के मामले में पिछड़ रहे हैं। इसलिए रोजी के साथ ही रोटी के सवाल पर चिंता होना लाजिमी है।

हर सरकार की जिम्मेदारी होती है कि उसका एक भी नागरिक भूखा न सोए। अव्वल तो हर नागरिक के पास कोई न कोई ऐसा काम होना चाहिए, जिससे वह खुद अपना और अपने परिवार का भरण-पोषण कर सके। मगर यह आदर्श स्थिति शायद अभी देश में होती नहीं दिखती। इसलिए जो लोग खुद अपने भोजन का प्रबंध कर पाने में अक्षम हैं, उन्हें भोजन उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी सरकारों पर है। इसी दायित्व का निर्वाह करने के मकसद से भारत में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून लागू किया गया था। अब सरकार की सांविधानिक बाध्यता है कि वह किसी को भूखे पेट न सोने दे। कोरोना काल में केंद्र ने प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना के तहत पांच किलो अनाज मुफ्त उपलब्ध कराना शुरू किया था। अब केंद्र सरकार ने योजना को एक साल और बढ़ा दिया है। सरकार का कहना है कि करीब 81.35 करोड़ लोगों को इस योजना का लाभ मिलेगा। दरअसल, कोरोना के बाद बंदी के चलते बहुत लोग देश में बेरोजगार हुए हैं और बहुतों का काम-धंधा चौपट हो गया। ऐसे में बहुत तेजी से गरीबों की संख्या में वृद्धि हुई। देश में नागरिकों के सामने दो वक्त के भोजन का संकट पैदा हो गया। अब ऐसे में सवाल यह खड़ा होता है कि जिस देश की आधे से अधिक आबादी मुफ्त के राशन पर निर्भर हो और दो तिहाई आबादी को पोषणयुक्त भोजन उपलब्ध नहीं हो पा रहा हो उस देश के विश्व गुरु बनने का सपना कैसे साकार होगा ?

उधर, पिछले कई सालों से लगातार भारत का वैश्विक भुखमरी सूचकांक में नंबर भी कम होने के बजाए बढ़ता जा रहा है। पिछले आंकड़ों की बात करें तो भारत अपने पड़ोसी मुल्क नेपाल, पाकिस्तान, बांग्लादेश और श्रीलंका से भी निचले स्थान पर आ गया है। आगे आबादी के पैमाने पर भारत दुनिया का सबसे बड़ा देश बनने जा रहा है। इस तरह भोजन और पोषण संबंधी चुनौतियां उत्तरोत्तर और बढ़ती जा रही हैं और उत्पादन के मामले में पिछड़ रहे हैं। इसलिए रोजी के साथ ही रोटी के सवाल पर चिंता होना लाजिमी है। विशेषज्ञ लगातार सुझाव देते रहे हैं कि इस समस्या से पार पाने का यही तरीका है कि हर हाथ को काम मिले। मगर इस पहलू पर सफलता कठिन बनी हुई है। ऐसे में अकेले मुफ्त अनाज देने से भारत में बढ़ रहा रोजी-रोटी का संकट खत्म नहीं हो पाएगा। इसके लिए सरकार को सकारात्मक सोच के साथ ही सही दिशा में आगे बढ़ना होगा और उसके लिए कुछ बेहतर कदम उठाने होंगे, मगर संकट से उभरने की दिशा में सोचने के बजाए अभी देश को हिंदू-मुस्लिम के मुद्दों में उलझाया जा रहा है। जोकि किसी समस्या का हल नहीं है। विडम्बना यह भी है कि सरकार हिंदू-मुस्लिम के मामलों से पार पाती नहीं दिख रही है। देश के चौथे स्तंभ मीडिया टीवी चैनलों पर भी रोजी-रोटी पर बात होने से इतर हिंदू-मुसलमान पर बहस हो रही है, जो देश की रसातल में जाती अर्थव्यवस्था के लिए एक बेहतर संकेत नहीं है।

संजय

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

फिर दुनिया की सेहत के लिए खतरा बनता चीन

दिलीप लाल

फरवरी 2020 में जब चीन से कोरोना संक्रमण दुनिया भर में फैला, तो वहां की वाइल्डलाइफ फार्मिंग (वन्यजीव कृषि) पर रोक लगा दी गई। अब कुछ दिन पहले चीन ने फिर इसमें ढील दे दी है। अभी वन्यजीवों से फैलने वाली जूनोटिक बीमारियों का खतरा बरकरार है। खुद चीन कोरोना से घिर चुका है, इसके बावजूद वह वाइल्डलाइफ फार्मिंग के जरिए फिर से पूरी दुनिया के लिए खतरा बनने को तैयार हो रहा है। वन्य जीवों की तस्करी और उसकी खपत के लिहाज से चीन दुनिया का टॉप का देश है।

इस कारण वहां जब वन्य जीवों के अस्तित्व पर असर पड़ने लगा तो 1987 में वन्यजीव संरक्षण अधिनियम बनाया गया। पर लंबे समय तक अधिनियम पर काम ही नहीं हुआ। आखिर 2006 में इसे संशोधित करते हुए वाइल्ड लाइफ फार्मिंग को व्यावसायिक रूप दिया गया। इसके तहत वन्य जीव पालन और उसके कारोबार को मान्यता दी गई। यहां तक कि कारोबार के लिए लोन देने की भी व्यवस्था की गई। नतीजतन वाइल्ड लाइफ फार्मिंग वहां का बड़ा कारोबार बन गया। नए नियम बनने के बाद धीरे-धीरे करीब 1 करोड़ 40 लाख लोग वाइल्ड लाइफ फार्मिंग से जुड़ गए। कोरोना से पहले तक यह इंडस्ट्री 520 अरब युआन (60 अरब डॉलर) का कारोबार देती थी। कोरोना को देखते हुए 1,800 जीवों पर प्रतिबंध लगाया गया है, जिनमें साही, चूहे, पाम सीवेट, हेज हॉग्स, रैकून डॉग्स, जंगली भालू जैसे जीव शामिल थे। चूंकि लाखों किसानों की कमाई का जरिया वाइल्ड लाइफ फार्मिंग है, इसलिए मुर्गी, सफेद लोमड़ी जैसे 16 जीवों के लिए छोटे लेवल पर राहत दी गई थी। अब फिर से बड़े लेवल पर फार्मिंग शुरू हो गई है। चीन में जानवरों को भोजन, दवा, आभूषणों और शौक के लिए पालते हैं। पारंपरिक चीनी चिकित्सा के अनुसार, भालू का पित्ताशय और पित्त पीलिया का इलाज करते हैं। चमगादड़ को आईसाइट ठीक रखने के लिए बेहतर माना जाता है। पाम सीवेट और सांप के मांस का स्टू अनिद्रा का इलाज कर सकता है। वहां के लोगों का ऐसा सोचना है, हालांकि वैज्ञानिक रूप से यह बिलकुल भी प्रमाणित नहीं है।

कुछ लोगों का मानना है कि वाइल्ड लाइफ फार्मिंग से वन्यजीवों पर खतरा कम होगा, क्योंकि फार्मिंग से आवश्यकताएं पूरी हो जाएंगी। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। वाइल्डलाइफ फार्मिंग के तहत लाइसेंस देने की जो व्यवस्था की गई थी, उसमें वन्यजीवों को पालने और उनका कारोबार करने की कोई सीमा नहीं थी। सो पालने के बजाय सीधे वन्यजीवों का शिकार करके मार्केट में बेचने का काम भी होता रहा। नए कानून के तहत यह अंतर करना मुश्किल था कि कारोबार कानूनी तरीके से चल रहा है या गैरकानूनी। हालांकि वाइल्ड लाइफ फार्मिंग का प्रॉडक्शन चीन के सामान्य लोगों के भोजन का जरूरी हिस्सा नहीं है, मगर यह वहां स्टेटस सिंबल जरूर है। मेहमाननवाजी में इसका विशेष महत्व माना जाता है। लग्जरी फूड में गिनती होने के कारण इनकी डिमांड ज्यादा रहती है। सामान्य खानपान के लिए इस्तेमाल होने वाली चीजों की तुलना में इनकी कीमतें भी ज्यादा होती हैं। साही, पाम सीवेट, बैंबू रैट्स की कीमत सुअर के मांस की तुलना में पांच गुनी ज्यादा होती है। इसलिए वाइल्डलाइफ फार्मिंग से उम्मीद की जाने लगी कि इसकी बढ़ती डिमांड से गरीबी कम की जा सकेगी। उसके बाद सरकार ने इसे प्रोत्साहित करना शुरू किया।

नए कानून के तहत यह अंतर करना मुश्किल था कि कारोबार कानूनी तरीके से चल रहा है या गैरकानूनी। हालांकि वाइल्ड लाइफ फार्मिंग का प्रॉडक्शन चीन के सामान्य लोगों के भोजन का जरूरी हिस्सा नहीं है, मगर यह वहां स्टेटस सिंबल जरूर है। मेहमाननवाजी में इसका विशेष महत्व माना जाता है। लग्जरी फूड में गिनती होने के कारण इनकी डिमांड ज्यादा रहती है। सामान्य खानपान के लिए इस्तेमाल होने वाली चीजों की तुलना में इनकी कीमतें भी ज्यादा होती हैं।

इस उद्योग से जुड़ने के लिए ट्रेनिंग प्रोग्राम किए जाने लगे। बड़े स्तर पर प्रचार-प्रसार भी किया गया। चीन में वन्यजीवों को शिकारियों से बचाने के लिए काम करने वाली संस्था एपीसीएस का कहना है कि अगर मनुष्य को संक्रामक बीमारियों से बचाना है, तो वन्यजीवों को उनके अपने माहौल में सुरक्षित रहने दिया जाए। किसी भी तरीके से यदि हम अपने फूड के लिहाज से उनकी फार्मिंग करते हैं, ब्रीडिंग कराते हैं और उनका कारोबार करते हैं तो यह न तो मनुष्य के लिए सुरक्षित है और न ही पर्यावरण के लिए।

बढ़ी सब्सिडी इकोनॉमी को कितना ग्रोथ देगी

दीपा सिन्हा

दो महीने में बजट आने वाला है जिसके बारे में अभी से चर्चा शुरू हो गई है। चर्चा यह कि अगले साल के बजट में सब्सिडी कितनी होगी, बढ़ेगी या फिर घटेगी? इसी बीच एक खबर यह भी आई कि जो रिवाइज्ड बजट होता है, उससे पता लग रहा है कि वित्त मंत्रालय से सरकार ने अधिक मात्रा में सब्सिडी के लिए फंड मांगा है। इसके मुताबिक सब्सिडी पांच लाख करोड़ से ऊपर जाएगी। जो सब्सिडी ऊपर जा रही है उसके पीछे दो बातें हैं। एक तो प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना है और दूसरे तेल के दाम बढ़ने पर सब्सिडी भी बढ़ी है। इस साल दिसंबर तक के लिए प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना को एक्सटेंड किया गया है। जब बजट बना था तो इसके लिए अलोकेशन नहीं था। फिर भी इसे दो बार एक्सटेंड किया गया।

तीन महीने पहले प्रधानमंत्री ने कहा था कि इस साल के अंत तक फ्री में जो अनाज बंटता है पांच किलो, वह दिया जाएगा। इसके चलते फूड सब्सिडी भी बढ़ गई है। दूसरी ओर तेल के दाम बढ़ने से पेट्रोल और फर्टिलाइजर की सब्सिडी बढ़ गई है। ऐसे में बहुत से लोग यह चर्चा कर रहे हैं कि क्या सब्सिडी का इस तरह से बढ़ना ठीक है? इसका अर्थव्यवस्था पर क्या असर होगा और इसको हम कैसे समझें? गरीबों की नजर से देखें तो यह बहुत बड़ा सवाल हो जाता है। क्योंकि एक तरफ हम लोग देख रहे हैं कि हमारी इकोनॉमिक ग्रोथ तो पिछले साल की तुलना में बढ़ रही है, लेकिन असंगठित क्षेत्र में जो लोग हैं, उनकी आय उस हिसाब से नहीं बढ़ी है। अगर सब्सिडी कम करना है तो खर्च कम करना होगा। फिर इसका पीडीएस, नरेगा जैसी योजनाओं और गरीबों पर क्या असर होगा, यह भी एक सवाल है। इस पर हमें कुछ चीजों को समझने की जरूरत है- सब्सिडी से चिंता क्यों होती है? यह हम ऐसे समझ सकते हैं कि बजट में फिस्कल डेफिसिट का मतलब होता है कि सरकार टैक्स से जो कमा रही है, उससे ज्यादा खर्च कर रही है। इस डेफिसिट से दिक्कत होती है, क्योंकि अगर ज्यादा खर्च हो रहा होता है तो या तो सरकार ब्याज पर लोन लेती है या उसे नए नोट छापने पड़ते हैं। इन दोनों में एक चिंता यह रहती है कि अगर सरकार इस मात्रा में खर्च करे और इकोनॉमी में पैसे आएं तो इससे महंगाई बढ़ जाएगी।

फिर अगर अवेलेबल लोन सरकार उठा ले तो वह प्राइवेट के लिए बचता नहीं है। उससे इन्वेस्टमेंट कम हो जाता है। ये दोनों जो चिंताएं हैं वे हर हाल में लागू होती हों ऐसा नहीं है। खर्च बढ़ने से मुद्रास्फीति बढ़ने की बात उस स्थिति में लागू होती है, जब पूरी इकोनॉमिक में जितनी मात्रा में प्रॉडक्शन हो सकता है, उतना हो गया है। ऐसे में जब ज्यादा पैसा होता है तो दाम भी बढ़ता है। अगर इकॉनमी में डिमांड उतनी नहीं है, और पैसा बांटने से मांग बढ़ेगी, और मांग ऐसी चीजों की बढ़ेगी जो इसी देश में बनती हैं, तो दाम नहीं बढ़ेंगे, उत्पादन बढ़ेगा। ऐसे में सरकार खर्च करके पूरी इकोनॉमी में ग्रोथ ला सकती है। जो इन्वेस्टमेंट की बात है, उसमें भी यही लॉजिक है।

अगर इकोनॉमी में इन्वेस्टमेंट कम हो रहा है और सरकार खर्च करती है तो उससे मांग बढ़ती है। फिर उस मांग को पूरा करने के लिए पूंजीपति भी इन्वेस्ट करने लगते हैं और यह सौ साल पुराना अर्थशास्त्र है, जो कीन्स ने भी हमें समझाया था कि किसी अर्थव्यवस्था में मांग की कमी हो और सरकार इस तरह से खर्च करे कि पैसे उन जरूरतमंदों के हाथ में जाएं, जो उन पैसों को डोमेस्टिक प्रॉडक्शन पर खर्च करेंगे तो इससे अर्थव्यवस्था की रफ्तार तेज हो सकती है। इसलिए हर समय सब्सिडी और फिस्कल डेफिसिट बुरा नहीं होता है। कभी-कभी यह उपयोगी और जरूरी होता है। दूसरी ओर हमें यह समझना है कि किन चीजों पर सरकार खर्च कर सकती है। आमतौर पर यह डिबेट दो चीजों के बीच में चलती है कि सरकार बड़े इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रॉजेक्ट पर खर्च करे या पीडीएस, नरेगा जैसी योजनाओं पर। आजकल पीडीएस, नरेगा और बाकी कल्याणकारी सरकारी योजनाओं को रेवड़ी कहने का चलन है। लेकिन यह खर्च अर्थव्यवस्था के लिए बेहतर होगा, बजाय बड़े इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रॉजेक्ट पर खर्च करने के। इसकी कुछेक बड़ी साफ वजहें हैं- जब इन चीजों पर खर्च किया जाता है तो पैसे गरीब लोगों के हाथ में जाते हैं।

गरीब लोग कमाते हैं तो वे छोटी-छोटी चीजों पर खर्च करते हैं। ये चीजें इसी देश में बनती हैं और इससे पूरी इकोनॉमी में मांग बढ़ती है। वहीं बड़े इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रॉजेक्ट में मशीनों का इस्तेमाल ज्यादा हो रहा है। उसमें आयात ज्यादा होता है और मुनाफा ज्यादा बनता है। लेकिन इससे जो मांग बनती है, जरूरी नहीं कि वह हमारे देश का प्रॉडक्शन बढ़ाए। वह आयात की ही मांग ज्यादा बढ़ाती है। इसलिए जब भी हम सब्सिडी या फिर रेवड़ी के बारे में बात करें तो इन दोनों चीजों को हमें मन में रखना चाहिए। यह देखते हुए कि आज के दिन में हमारी अर्थव्यवस्था में डिमांड की कमी है और असमानता बढ़ रही है। ऐसे में पीडीएस, नरेगा, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसे मदों पर अपने खर्च बढ़ाकर सरकार अर्थव्यवस्था को भी फायदा दिला सकती है। तो इस तरह के खर्च से डरने की कोई जरूरत नहीं है। बल्कि हमें मांग करनी चाहिए कि सरकार ज्यादा खर्च करे, ताकि हमारी ग्रोथ बढ़ती रहे।

एक्चुरियल साइंस की डिग्री होने पर मिल सकते हैं करियर के बेहतर अवसर

इंश्योरेंस सेक्टर

नौकरी की हैं अपार संभावनाएं

इंश्योरेंस इंडस्ट्री एक ऐसी इंडस्ट्री है, जो पिछले कई सालों से लगातार करियर के मामले में तेजी से बढ़ रही है। साथ ही इसके चलते एक्चुरियल प्रोफेशनल्स की डिमांड भी काफी बढ़ गई है। अगर आप इंश्योरेंस सेक्टर में करियर बनाने के बारे में सोच रहे हैं तो यह समय काफी अच्छा साबित हो सकता है। कोरोना काल के बाद से इंश्योरेंस सेक्टर में बूस्ट देखा जा रहा है। इन दिनों हर परिस्थिति से निपटने के लिए बीमा कंपनियों के पास एक से बढ़कर एक पॉलिसी होती हैं। जीवन बीमा, वाहन बीमा, यात्रा बीमा, स्वास्थ्य बीमा और गृह बीमा इनमें सबसे ज्यादा प्रचलन में हैं। जानिए इंश्योरेंस सेक्टर में नौकरी के मौके और जरूरी योग्यता।

इंश्योरेंस जॉब के लिए एलिजिबिलिटी

इस क्षेत्र में करियर बनाने के लिए 12वीं या ग्रेजुएट होना जरूरी है। लेकिन इस पर पूरा ज्ञान लेने के लिए एक्चुरियल साइंस से जुड़े कोर्स में ग्रेजुएशन डिग्री के लिए मैथ्स या स्टैटिस्टिक्स में कम से कम 55 प्रतिशत मार्क्स के साथ 12वीं पास होना ज़रूरी है। साथ ही पीजी डिप्लोमा, मास्टर्स डिग्री और सर्टिफिकेट कोर्स के लिए मैथ्स-स्टैटिस्टिक्स, इकोनॉमेट्रिक्स सब्जेक्ट से ग्रेजुएट होना ज़रूरी है। एक्चुअरी प्रोफेशनल बनने के लिए एक्चुरियल सोसाइटी ऑफ इंडिया का फेलो मेंबर भी होना जरूरी है।

कहां मिलेगी जॉब

अगर आपके पास एक्चुरियल साइंस की डिग्री है तो नौकरियों की कोई कमी नहीं है। बैंकिंग, इंश्योरेंस, बीपीओ-केपीओ, मल्टीनेशनल कंपनियों, आईटी सेक्टर, फाइनेंशियल कंपनियों आदि में अच्छे मौके मिलते हैं। वहीं, दूसरी ओर बीपीओ कंपनी में भी हर दिक्कत के बारे में सलाह करने के लिए बड़े पैमाने पर एक्चुरियल प्रोफेशनल्स की हायरिंग की जाती है। बीपीओ में काम करने वाले एक्चुअरी प्रोफेशनल्स की सैलरी आम बीपीओ एंप्लॉइज की तुलना में दो से तीन गुना ज़्यादा हो सकती है।

कितनी होगी सैलरी

इंश्योरेंस फील्ड में कैंडिडेट फ्रेशर के तौर पर हर महीने लगभग 20 से 30 हजार रुपये आसानी से कमा सकते हैं। वहीं अगर कैंडिडेट को कुछ सालों का एक्सपीरयंस है तो सैलरी कम से कम 1 लाख रुपये हर महीना हो जाएगी। और अगर कैंडिडेट ने किसी टॉप कॉलेज से मास्टर ऑफ बिजनेस एडमीशन (एमबीए) इन इंश्योरेंस कोर्स किया है तो वह अपनी पहली नौकरी में ही ज्यादा बेहतर सैलरी की उम्मीद कर सकते हैं।

इस क्षेत्र में जोखिम का आकलन बड़ी चुनौती

एक निजी कंपनी में कार्यरत वरिष्ठ बीमा सलाहकार के अनुसार बाजार की मांग के मुताबिक इसमें समय-समय पर कोर्स में जरूरी बदलाव किए जाते हैं, ताकि प्रोफेशनलों में चुनौतियों से लड़ने का कौशल विकसित हो। डिजिटल तरीकों को अपनाने के साथ-साथ पेमेंट नेटवर्क के दुरूपयोग को रोकने और डाटा चोरी जैसी चीजों को रोक पाना इस इंडस्ट्री की बड़ी चुनौती है। नए आने वाले प्रोफेशनलों को इस पर विशेष ध्यान देना होगा। ग्राहकों के रिस्क प्रोफाइल को पहचानना भी चुनौती बनता जा रहा है।

हंसना मना है

पति: अल्लाह ने तुम्हें 2 आंखे दी हैं, चावल से पत्थर नही निकाल सकती?
पत्नी: अल्लाह ने तुम्हे 32 दांत दिए है, 2-4 पत्थर नही चबा सकते?

अर्ज है: रोज रोज वजन नापकर क्या करना है, एक दिन तो सबने मरना है, चार दिन की है जिंदगी, खा लो जी भर के, अगला जन्म फिर 3 किलो से शुरू करना है!

वाईफ: प्लीज बाइक तेज ना चलाओ, मुझे डर लग रहा है। सरदार: अगर तुझे भी डर लग रहा है, तो मेरी तरह आंखें बंद कर ले।

पत्नी: डॉक्टर साहब.. मेरे पती को रात मे बडबडाने की आदत है, कोई उपाय बताये? डॉक्टर- आप उन्हें दिन में बोलने का मौका दिया करे..

पापा बेटी से: बेटी पहले तो तुम मुझे पापा कहती थी, लेकिन अब तुम मुझे डैड कहती हो, क्यों? बेटी: ओह डैड, पापा कहने से लिपस्टिक खराब होती है।

संता बार मे रो रहा था। बंता: क्यों रो रहे हो? संता: और क्या करूं? जिस लड़की को भुलाना चाहता हूं, उसका नाम ही याद नही आता।

कहानी | लालची कुत्ता

एक गांव में एक लालची कुत्ता रहता था। वह गांव में घूम-घूमकर खाने की तलाश करता था। वह इतना लालची था कि उसे जितना भी खाने के लिए मिलता था, उसे कम ही लगता था। गांव के दूसरे कुत्तों के साथ पहले उसकी अच्छी दोस्ती थी, लेकिन उसकी इस आदत की वजह से सभी उससे दूर रहने लगे, लेकिन उसे कोई फर्क नहीं पड़ा, उसे सिर्फ अपने भोजन से मतलब था। कोई न कोई आते जाते उसे खाने के लिए कुछ न कुछ दे ही देता था। उसे जो खाने को मिलता उसे वो अकेले ही चट कर जाता। एक दिन उसे कहीं से एक हड्डी मिल गई। हड्डी को देखकर उसकी खुशी का ठिकाना न रहा। उसने सोचा कि इसका आनंद तो अकेले ही लेना चाहिए। यह सोचकर वो गांव से जंगल की ओर जाने लगा। रास्ते में वह पुल के ऊपर से नदी पार कर रहा था, तभी उसकी नजर नीचे नदी के ठहरे हुए पानी पर पड़ी। उस समय उसकी आंखों में सिर्फ हड्डी का लालच था। उसे यह भी पता नहीं चला कि नदी के पानी में उसका ही चेहरा नजर आ रहा है। उसे लगा की नीचे भी कोई कुत्ता है, जिसके पास एक और हड्डी है। उसने सोचा कि क्यों न उसकी भी हड्डी छीन लूं, तो मेरे पास दो हड्डियां हो जाएंगी। फिर मैं एक साथ दो हड्डियों के मजे से खा सकूंगा। ऐसा सोचकर वह जैसे ही पानी में कूदा, उसके मुंह से हड्डी सीधे नदी में जा गिरी। मुंह से छुटकर हड्डी के पानी में गिरते ही कुत्ते को होश आया और उसे अपने किए पर पछतावा हुआ।

कहानी से सीख: इस कहानी से हमें यह सीख मिलती है कि हमें कभी भी लालच नहीं करना चाहिए। लालच करने से हमारा ही नुकसान होता है।

7 अंतर खोजें

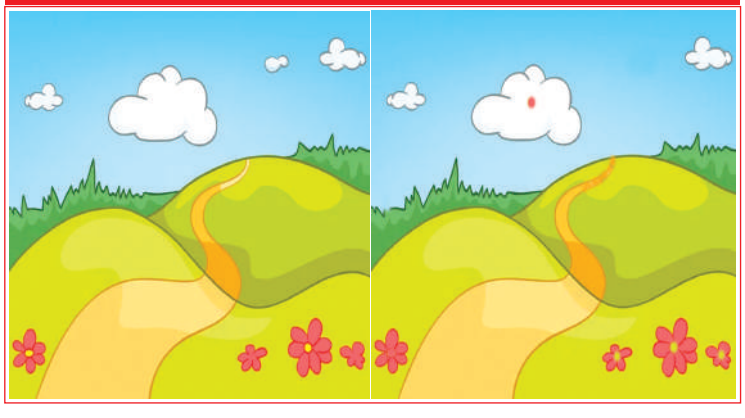

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहेगा। काम के सिलसिले में बेहद अच्छे नतीजे मिलेंगे। आपकी परफॉर्मेंस में सुधार होगा। सीनियर आप से खुश रहेंगे।

वृषभ आपका दिन फेवरेबल रहेगा। कोई रुका हुआ काम पूरा होने से आपको खुशी मिलेगी। शाम तक आपको कोई शुभ समाचार प्राप्त होगा, जिससे घर का माहौल खुशियों से भर जायेगा।

मिथुन आज का दिन आपके लिए बढ़िया रहेगा। जमीन जायदाद से जुड़े मामलों में फायदा मिलेगा। ऐसा कोई सौदा आपके हाथ लग सकता है, जो आपको फायदा पहुंचाए।

कर्क आपका दिन मिला-जुला रहेगा। पारिवारिक काम को पूरा करने में घर के सभी सदस्यों का सहयोग प्राप्त हो सकता है। सेहत के लिहाज से आपके स्वास्थ्य में गिरावट आ सकती है।

सिंह आज का दिनमान आपके लिए मध्यम फलदायक रहेगा। परिवार में तनातनी का माहौल रहेगा, जिससे आप कुछ उदास होंगे। अच्छा खाना खाने का मन करेगा।

कन्या आपका दिन बेहतरीन रहेगा। ऑफिस में आपके काम की तारीफ होगी। इससे आपका मन प्रसन्न रहेगा। परिवार में सबके साथ बेहतर संबंध स्थापित होंगे।

तुला आज का दिनमान आपके लिए उतार-चढ़ाव से भरा रहेगा। आप काफी व्यस्त भी रहेंगे। सेहत के प्रति उदासीनता आप को बीमार कर सकती है।

वृश्चिक आपका दिन शानदार रहेगा। आपके व्यवहार से कुछ लोग आज काफी प्रभावित होंगे। और नए लोगों से आपको मदद मिल सकती है। धन लाभ के योग बन रहे हैं।

धनु आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा। अपने काम पर आपका पूरा ध्यान रहेगा, जिसकी वजह से आपने काम में अच्छे नतीजे पाएंगे। प्रॉपर्टी का लाभ मिलेगा।

मकर आपका दिन अच्छा रहेगा। आप सभी कार्यों में बहुत हद तक सफल रहेंगे। इस राशि की महिलाओं को आज के दिन कोई खुश-खबरी मिल सकती है।

कुम्भ आज का दिनमान आपके लिए उतार-चढ़ाव से भरा रहेगा। मानसिक तनाव के साथ-साथ आर्थिक चुनौतियां आपका ध्यान अपनी ओर खींचएंगी।

मीन आपका दिन सामान्य रहेगा। आपका मन सामाजिक कार्यों की तरफ हो सकता है। लोगों के बीच आपके काम की तारीफ हो सकती है।

बॉलीवुड | मन की बात

मैं हमेशा साउथ इंडस्ट्री में काम करना चाहता था : बॉबी

साउथ फिल्म हरि हारा वीरा मल्लू के चर्चे काफी समय से हो रहे हैं। इसे भारतीय सिनेमा में सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक माना जा रहा है। फिल्म में साउथ स्टार पवन कल्याण और निधि अग्रवाल मुख्य भूमिका में हैं और अब इसके साथ बॉबी देओल का नाम भी जुड़ गया है। डायरेक्टर कृष जगरलामुदी की बनाई इस फिल्म से बॉलीवुड एक्टर बॉबी देओल अपना साउथ डेब्यू करेंगे। बॉबी इस फिल्म में मुगल सम्राट औरंगजेब की भूमिका निभाने वाले हैं। फिल्म की शूटिंग उन्होंने हैदराबाद में शुरू कर दी है। फिल्म के लिए 17वीं शताब्दी के दरबार का सेट को थोटा थारानी ने डिजाइन किया है। इस दरबार में पवन कल्याण और बॉबी देओल के अहम सीन्स को शूट किया जाएगा। फिल्म के मेकर्स की तरफ से जारी किए गए एक स्पेशल वीडियो में, हरि हारा वीरा मल्लू की टीम बॉबी देओल का ग्रैंड वेलकम करती हुई दिखाई दे रही है। यहां बॉबी स्टाइलिश लुक में नजर आ रहे हैं। अपने साउथ फिल्म डेब्यू को लेकर एक्साइटेड बॉबी देओल कहते हैं, मैं हमेशा से साउथ इंडस्ट्री में काम करना चाहता था और एक ऐसे मौके की तलाश कर रहा था जो मुझे उत्साहित करें। जब मैंने एचएचवीएम को सुना तो मैं आकर्षित हो गया। मैं फिल्म में मुगल बादशाह औरंगजेब की भूमिका निभाने के लिए बेहद उत्साहित हूं। साथ ही सुपरस्टार पवन कल्याण के साथ काम करने के लिए भी एक्साइटेड हूं। फिल्म के निर्माता एएम रत्नम और निर्देशक कृष जगरलामुडी पहले भी कई शानदार फिल्म कर चुके हैं। इस तरह की बेहतरीन टीम के साथ जुड़ना बहुत अच्छा है।

अचार के चक्कर में एयरपोर्ट पर फंस गईं मीरा राजपूत

बॉलीवुड | मसाला

शाहिद कपूर की बीवी मीरा राजपूत सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। मीरा को फैंस संग बातें करना और तस्वीरें शेयर करना काफी पसंद है। हाल ही में मीरा ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक मजेदार वाक्या शेयर किया। जिसमें मीरा ने एक तस्वीर पोस्ट करते हुए बताया कि कैसे उन्हें एयरपोर्ट पर सिक्योरिटी गार्ड ने रोक लिया। लेकिन फिर चेकिंग के दौरान उनके बैग से ऐसी चीज निकली कि गार्ड्स को भी हंसी आ गई।

मीरा राजपूत क्रिसमस के मौके पर अपनी मां से मिलने जा रही थीं। एयरपोर्ट पर पहुंचते ही मीरा को सिक्योरिटी गार्ड ने रोक लिया। बैग की तलाशी ली गई तो उसमें से गोभी शलगम का अचार निकला। यह देख अधिकारी भी हंस पड़े और उन्हें जाने दिया। मीरा राजपूत ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक बंद जार बोतल की तस्वीर शेयर कर लिखा, जब आपको एयरपोर्ट पर घर का बना खाना ले जाने के लिए लोग रोक दिया जाए। यह गोभी शलगम का अचार है। इसे देख लोगों को पता चल जाता है कि आप पंजाबी हैं। इसके बाद अधिकारी लोग हंसने लगे और कहा अचार है जाने दो।

मीरा कपूर का क्रिसमस

मीरा कपूर का क्रिसमस काफी खुशियों भरा रहा। इस खास दिन पर मीरा ने शाहिद संग प्यारी- सी तस्वीर शेयर की और कैप्शन में लिखा, मेरे और मेरे सांता की तरफ से क्रिसमस की बधाई।

विराट का दुनिया के सामने मजाक उड़ाएगी सई

टीवी सीरियल गुम है किसी के प्यार में दिलचस्प कहानी की वजह से लगातार टीआरपी की लिस्ट में कब्जा किए हुए है। ऐश्वर्या शर्मा, आयशा सिंह और नील भट्ट का यह सीरियल दर्शकों का खूब मनोरंजन कर रहा है। सीरियल में आने वाले मजेदार ट्विस्ट फैंस को खूब पसंद आ रहे हैं। सीरियल की कहानी इन दिनों विराट और पत्रलेखा के इर्द-गिर्द घूम रही है।

बीते एपिसोड में दिखाया गया की विराट और पाखी हनीमून के लिए जाते हैं, और यहां पर विराट की एक कपल से मुलाकात होती है। यह कपल सई के साथ उसी बस में था जिसमें पांच साल पहले उसका एक्सीडेंट होता है। इस दौरान विराट के सामने अपने बेटे विनायक का सच आता है। कपल की बातों से विराट को पता चलता है कि उसका बेटा विनायक जिंदा है। वहीं, अब अपकमिंग एपिसोड में विराट अपने बेटे की तलाश शुरू करेगा।

सई विनू और सवी के साथ खुश रहने की कोशिश करती है। विराट और पाखी के हनीमून पर जाने के बाद सई भी दोनों बच्चों को लेकर घूमने जाती है। तब वहां पर सई एक आदमी की दो शादी पर एक कहानी सुनाती है। यह कहानी काफी हद तक सई, विराट और पाखी की कहानी जैसी होती है, और फिर वह कुछ ऐसा कहती है कि सब वहां पर हंसने लगते हैं।

विराट विनायक का सच जान जाता है, लेकिन अब सवाल यह है कि क्या वह सई को यह सच बताएगा, क्योंकि इसी दौरान विराट को यह भी पता चलता है कि एक्सीडेंट के बाद अब पाखी कभी मां नहीं बन सकती है। इसी वजह से अब विराट को शक है कि सई विनायक को अपने साथ ना लेकर चली जाए। अब इस सीरियल में सई, विराट और पत्रलेखा की जिंदगी फिर आपस में उलझ जाएगी।

अजब-गजब | जानिए क्या है इनकी लंबी उम्र का राज

डेढ़ सौ साल तक जिंदा रहते हैं लोग

आधुनिक जीवन शैली कहें या फिर पर्यावरण में आ रहे तमाम तरह के बदलाव की वजह से इंसान की जिंदगी दिन ब दिन छोटी होती जा रही है। पर्यावरण प्रदूषण और मिलावटी खाने ने इंसान की आयु छोटी कर दी है। लेकिन आज हम आपको एक ऐसे समुदाय के बारे में बताने जा रहे हैं। जिसके लोग आज भी 150 साल के आसपास जीते हैं। इस दौर में किसी समुदाय के लोगों का इतने सालों तक जिंदा रहना यकीनन अद्भुत ही माना जाएगा। पाकिस्तान की हुंजा घाटी में आम समस्याओं से काफी दूर रहने वाला समुदाय हुंजा अन्य लोगों की तुलना में लंबे समय तक जिंदा रहता है।

पाकिस्तान की हुंजा घाटी में रहने के कारण ही इस समुदाय को हुंजा समुदाय के नाम से जाना जाता है। हुंजा समुदाय के लोग शारीरिक तौर पर काफी मजबूत होते हैं और उन्हें शायद ही कभी अस्पताल जाने की जरूरत होती है। सबसे हैरान करने वाली बात, तो ये है कि यहां के लोगों का औसत जीवनकाल लगभग 120 साल माना जाता है। इस समुदाय के अनोखे तौर-तरीकों पर कई किताबें भी लिखी जा चुकी हैं। नोमैडिक नाम की एक वेबसाइड के मुताबिक, इस समुदाय की महिलाएं 60 से 90 साल की उम्र तक बिना किसी परेशानी के गर्भवती हो सकती हैं और स्वस्थ बच्चे को जन्म दे सकती है।

इतना ही नहीं इस खास समुदाय की महिलाएं दुनिया की सबसे खूबसूरत भी मानी जाती है। हुंजा समुदाय की औरतें 60-70 साल की उम्र में भी 20-25 साल की दिखाई देती हैं। बता दें कि हुंजा समुदाय के लोगों को बुरुशो भी कहते हैं। ये बुरुशास्की भाषा बोलते हैं। ऐसा कहा जाता है कि हुंजा समुदाय के लोग पाकिस्तान के अन्य समुदाय के लोगों से कहीं ज्यादा शिक्षित हैं। हुंजा घाटी में इनकी संख्या 85 हजार से भी ज्यादा हैं। यह समुदाय मुस्लिम धर्म को मानता है और इनके सारे क्रियाकलाप भी मुस्लिमों जैसे ही हैं।हुंजा घाटी पाकिस्तान के मशहूर पर्यटन स्थलों में से एक है। दुनियाभर से लोग यहां पहाड़ों की खूबसूरती देखने आते हैं। इस समुदाय के ऊपर लिखी गई किताबों में द हेल्दी हुंजाज और द लॉस्ट किंगडम ऑफ द हिमालयाज जैसी किताबें मुख्य रूप से शामिल हैं।

हुंजा समुदाय के लोगों की जीवनशैली ही उनके लंबे जीवन का राज है। ये लोग सुबह पांच बजे उठ जाते हैं। यहां के लोग साइकिल या गाड़ियों का इस्तेमाल बहुत कम ही करते हैं और पैदल ज्यादा चलते हैं। इस खास समुदाय के लोग आमतौर पर जौ, बाजरा, कुट्टू और गेहूं का आटा खाते हैं, जो इन्हें शारीरिक तौर पर मजबूत बनाने में काफी मदद करता है। इसके अलावा इस समुदाय के लोग मांस का सेवन बहुत कम करते हैं। किसी खास मौके पर ही मांस बनता है।

खुदाई के दौरान मिला सैकड़ों साल पुराना मंदिर, देखकर दंग रह गए लोग

प्राचीन काल की अनगिनत चीजें आज भी जमीन के अंदर मौजूद हैं जो समय-समय पर खुदाई के दौरान मिलती रहती है। ऐसी ही एक चीज हालही में तुर्की मिली। जिसे देखकर लोग हैरान रह गए। क्योंकि तुर्की में आर्कोलॉजिकल की एक टीम को किले में खुदाई के दौरान सैकड़ों साल पुराना एक मंदिर मिला। इस मंदिर का संबंध राजा मेनुआ से माना जा रहा है। जानकारी के मुताबिक, जिस किले में ये मंदिर मिला है वह पूर्वी तुर्की के वान जिले में स्थित है। गौरतलब है कि राजा मिनुआ से संबंधित ये कोई पहला मंदिर नहीं है, क्योंकि इससे पहले भी आर्कोलॉजिकल टीम को एक मंदिर मिला था। बता दें कि जिस प्राचीन किले की खुदाई आर्कोलॉजिकल टीम कर रही हैं, उसका आधुनिक तुर्की में नाम कोरजुत है, जिसे आठवीं शताब्दी ईसा पूर्व में निर्मित किया गया था। इस किले का निर्माण राजा मिनुआ ने कराया था। वन संग्रहालय के ओर से की गई खुदाई के दौरान किले में कई महत्वपूर्ण चीजें भी मिली हैं। बता दें कि इस किले में खुदाई का कार्य तुर्की के संस्कृति और पर्यटन मंत्रालय की अनुमति के बाद शुरु किया गया था। जो अभी भी जारी है। बता दें कि इस आर्कोलॉजिकल खुदाई को तुर्की सरकार की ओर से पैसा दिया जा रहा है। किले की खुदाई वान युजुंकू यिल यूनिवर्सिटी के आर्कोलॉजिकल विभाग के प्रोफेसर सबाहत्तिन अर्दोआन के नेतृत्व में की जा रही है। किले के अंदर मिला ये मंदिर कोरबेलिंग तकनीक से बना हुआ है। किले में की जा रही खुदाई में अब तक मिट्टी के बर्तनों के टुकड़े और धातु की आर्टिफेक्ट भी मिल चुके हैं। इस मामले में तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप अर्दोआन ने कहा कि टीम ने किले के अवशेषों वाले पूरे इलाके से कई अहम चीजें खोजी हैं, जो इलाके के इतिहास से जुड़ी हैं। अर्दोआन का कहना है कि कुछ समय पहले पहला मंदिर मिला था और अब टीम को राजा मिनुआ का दूसरा मंदिर भी मिल गया है। अर्दोआन ने कहा कि, खुदाई के दौरान हमें एक और मंदिर मिला, जो हमें लगता है कि राजा मिनुआ ने बनवाया था। हमें मंदिर के पास एक मकबरा भी मिला है। इस क्षेत्र से बड़ी संख्या में प्राचीन काल के बर्तन भी मिले हैं। उत्खनन के लिए यह एक महत्वपूर्ण स्थान है। खुदाई में मिले बर्तन मध्यकाल के हैं। इसके साथ ही किले के बाहर एक कब्रिस्तान भी मिला है, जिसका मिलना काफी महत्वपूर्ण है।

यूपी जल निगम: वेतन-पेंशन न मिलने से 21 हजार कर्मचारियों पर रोटी का संकट

» किसी को चार तो किसी को पांच माह से नहीं मिली एक भी पाई, परेशानी में परिवार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी जल निगम के 21 हजार से अधिक कर्मचारियों और पेंशनर्स को 5 महीने से वेतन और पेंशन नहीं मिला है जिसकी वजह से उनके सामने जीवन यापन का संकट खड़ा हो गया है। जरा सोच कर देखिए जिस घर में 5 महीने से आमदनी न हो वहां खाना पीना, बच्चों की पढ़ाई, किसी बीमार का इलाज कैसे होता होगा। विदेशों से लाखों करोड़ का इन्वेस्टमेंट लाने के दावे करने वाले मंत्री और अधिकारियों को इन हजारों परिवारों की शायद कोई परवाह नहीं, वरना अब तक इनकी समस्या का समाधान कर दिया होता। एबीपी गंगा की टीम जब इन कर्मचारियों के घर पहुंची तो उनके हालात बेहद खराब दिखाई दिए।

त्रिवेणी नगर में रहने वाली निर्मला देवी जल निगम की कर्मचारी हैं। पति का बहुत पहले निधन हो चुका है। उनकी दो बेटियां हैं। घर की पूरी जिम्मेदारी निर्मला देवी पर है। उन्हें जुलाई के बाद से वेतन नहीं मिला, जिससे उन्हें काफी दिक्कत हो रही है। न बच्चों की फीस जा पाती है, कई बार तो सिलेंडर तक नहीं भर पाता।

तमाम दिक्कतों के बीच सैलरी की भी कोई उम्मीद नहीं है। अब तो कोई कर्जा देने वाला भी नहीं है। घर का जेवर बेचकर दाल रोटी चल रही है। दिवाली पर भी तनख्वाह नहीं आई थी। उन्होंने कहा कि एक चैन बेचकर दिवाली मनाई, फीस भरी और गैस सिलेंडर भराया था।

बैंक से कर्ज लेकर करा रहे इलाज

निर्मला देवी ने बताया कि उन्हें कुछ दिन पहले चिकनगुनिया हो गया था, पैसे नहीं थे बिस्तर में पड़े थे, बड़ी मुश्किल से दवा चली। बैंक से कुछ कर्जा लेकर काम चलाया। सबके साथ ही समस्या आ रही, कोई सुनने वाला नहीं, समझ नहीं आता किससे बात करें। अधिकारी से बात करो तो कहते कि हमें भी नहीं मिल रही, शासन से पैसा नहीं आ रहा। क्या करें अब फिर बेटी की फीस जमा करनी है, यही कहा है कि तनख्वाह आ जाए तो जमा कर देंगे। 100 रुपये भी खर्च करने पड़े तो यह सोचना होता है कि कल के लिए भी बचाना है। कभी-कभी तो 10-20 रुपये के लिए तरस जाते हैं।

उधार लेकर घर चला रहे परिवार

जल निगम से ही रिटायर हुए श्रीकांत अवस्थी ने भी अपना दर्द बयां किया। उन्होंने बताया कि वो जुलाई 2017 में रिटायर हुए थे, लेकिन अभी तक ग्रेच्युटी और फंड का भुगतान नहीं हुआ। सोचा था रिटायरमेंट के बाद जब ड्यूज का भुगतान होगा उससे कोई छोटा मोटा काम करके अपनी जीविका चलाएंगे। ये तो हुआ नहीं ऊपर से 5 महीने हो गए पेंशन तक नहीं मिली। दूसरों से उधार लेते हैं। जल निगम की स्थिति इतनी खराब हो गई है कि लोग उधार देने में भी संकोच करते हैं।

सीएम को लिखी चिट्ठी पर भी कोई सुनवाई नहीं

यूपी जल निगम कर्मचारी महासंघ के संयोजक अजय पाल सिंह ने कहा कि हमें 4 महीने से वेतन, पेंशन नहीं मिली। जो कर्मचारी रिटायर हो गए उन्हें ड्यूज नहीं मिले। बहुत से कर्मचारी तो पेंडुलम होकर झूल रहे हैं, उनकी पेंशन तक नहीं बंधी। कर्मचारी उधार लेते, पेंशनर अपने जेवरात बेचकर घर चला रहे हैं। हर घर में बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। कई लोग गंभीर बीमारी से ग्रस्त हैं वो भी परेशान है।

अजय पाल ने कहा कि कुल 21,117 कर्मचारी और पेंशनर्स के सामने समस्या है। इसमें 6,861 कर्मचारी वर्तमान में कार्यरत हैं जिनका वेतन नहीं आ रहा है। जबकि 14,256 पेंशनर हैं जिन्हें पेंशन नही मिल रही। इसके अलावा करीब 500 कर्मचारी ऐसे भी हैं जो रिटायर हो गए लेकिन पेंशन बंधी ही नहीं। संगठन के महामंत्री आकाश श्रीवास्तव ने बताया कि आखिरी वेतन जुलाई 2022 का मिला है। अब तो रिश्तेदार भी नहीं पूछते कि कैसे हो क्योंकि जो पैसा देता है वह यह भी चाहता कि कब वापस मिलेगा। जल निगम के एमडी से लेकर ऊपर तक दर्द बता चुके हैं लेकिन अब तक कोई समाधान नहीं निकला। सीएम को भी चिट्ठी लिखी है।

हर शुक्रवार लगेगी ग्राम चौपाल: केशव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उ ार प्रदेश के ग्राम विकास विभाग ने गांव की समस्या के समाधान के लिए हर शुक्रवार को 'ग्राम चौपाल' लगाने का फैसला किया है। इसकी शुरुआत राज्य के उप मु यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य 30 दिसंबर को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी से करेंगे।

मौर्य ने एक ट्वीट में यह जानकारी दी। उत्तर प्रदेश सरकार में ग्राम विकास विभाग संभाल रहे उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने मंगलवार की सुबह ट्वीट किया,ट्विटर में उन्होंने कहा, प्रत्येक शुक्रवार ग्राम विकास विभाग ग्राम चौपाल करेगा।इसी ट्वीट में मौर्य ने कहा, काशी के लाडले सांसद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र बाबा विश्वनाथ के धाम काशी (वाराणसी) से 30 दिसंबर, शुक्रवार को होगा श्रीगणेश। चौपाल में रहूंगा मौजूद। गांव की समस्या-गांव में समाधान।

एएमयू के कश्मीरी छात्र पर हमला

» प्रशासन ने कहा-कोई शिकायत नहीं मिली

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अलीगढ़। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय (एएमयू) में पढ़ रहे एक कश्मीरी छात्र ने सोमवार को अज्ञात हमलावरों पर उसपर घातक हमला करने का आरोप लगाया है। हालांकि जिले की एडीएम मीनू राणा ने कहा कि कोई लिखित शिकायत नहीं मिली है। हालांकि कश्मीरी छात्रों की असुरक्षा संबंधी समस्या का समाधान किया जाएगा।

राणा ने कहा, विद्यार्थियों में बहस होने के बाद कश्मीरी छात्रों ने असुरक्षा जताई। कश्मीरी छात्र पर जानलेवा हमले की कोई लिखित शिकायत नहीं है।

उन्होंने आगे कहा, फिलहाल छात्रों की चिंता उनकी सुरक्षा व परिसर में बाहरी लोगों के प्रवेश को लेकर है। छात्र

पर जानलेवा हमले की कोई पुष्टि नहीं हुई है। इस पर चर्चा की जाएगी। अगर असुरक्षा को लेकर कुछ कमी पाई जाती है तो इसका समाधान किया जाएगा। अभी तक कोई लिखित शिकायत नहीं मिली है।

हमले का आरोप लगाने वाले कश्मीरी छात्र जिब्रान ने एडीएम से मिलने के बाद दावा किया कि बाहरी लोगों के एक समूह ने बीते शनिवार की शाम को उस पर हमला किया क्योंकि उसने उन लोगों से परिसर से बाहर जाने के लिए कहा था। उसने कहा, जब मैंने शोर मचा रहे लोगों से वहां से जाने के लिए कहा तो वे नहीं गए। इसके बाद मैंने फिर कहा तो उन्होंने मुझे गालियां दीं और मुझ पर घातक हमला कर दिया। मैं कमरे की तरफ भागा तो उन्होंने कमरे पर हमला कर दिया।,

एडीएम से मिलने के संबंध में उसने कहा कि उन्होंने (राणा ने) उसे आश्वासन दिया है कि यूपी सरकार को इस संबंध में बताया जाएगा कि कश्मीरियों को निशाना क्यों बनाया जा रहा है। एक अधिकारी ने बताया कि छात्रों ने डीएम से मिलने के लिए भी समय मांगा है। छात्रों ने शिकायत के संबंध में एक ज्ञापन भी सौंपा है।

हिमाचल: जयराम को मिली नेता प्रतिपक्ष की मान्यता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हिमाचल प्रदेश। हिमाचल प्रदेश की 14वीं विधानसभा में जयराम ठाकुर को नेता प्रतिपक्ष के तौर पर मान्यता मिल गई है। हिमाचल प्रदेश विधानसभा के प्रोटेम स्पीकर चंद्र कुमार ने जयराम ठाकुर को मान्यता दी है। इस बाबत हिमाचल प्रदेश सचिवालय के सचिव की ओर से आदेश भी जारी हो गए हैं। बीजेपी विधायकों के साथ केंद्रीय आलाकमान ने भी एक बार फिर जयराम ठाकुर पर विश्वास जताया है।

रविवार को बीजेपी विधायक दल की बैठक में जयराम ठाकुर को बीजेपी विधायक दल का नेता चुना गया। विधायक दल की ओर से इसकी जानकारी विधानसभा को दिए जाने के बाद अब जयराम ठाकुर को नेता प्रतिपक्ष के समय के तौर पर मान्यता मिल गई है। पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर अब आधिकारिक तौर पर नेता प्रतिपक्ष का दायित्व संभालेंगे।

दिल्ली-यूपी में बर्फीली हवाएं छुड़ा रहीं कंपकंपी

» पारा गिरने से उत्तर भारत शीतलहर की चपेट में

» वेस्ट यूपी में कक्षा एक से 12वीं तक के स्कूलों को किया गया बंद, नई साल में शिक्षण कार्य

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। दिसंबर के आखिरी दिनों में पारा कई डिग्री गिर जाने की वजह से पूरा उ ार भारत घने कोहरे और शीतलहर की चपेट में है। पहाड़ों पर हुई बर्फबारी और सर्द हवाओं ने ठिठुरन बढ़ा दी है। मंगलवार सुबह उ ाराखंड, हिमाचल, दिल्ली, हरियाणा समेत यूपी के नोएडा, गाजियाबाद, आगरा, मेरठ और लखनऊ में घना कोहरा छाया रहा। कोहरे और हवाओं ने मिलकर धूप को बेअसर कर दिया और दिन के पारे को एकदम से गिराना शुरू कर दिया है। कड़ाके की ठंड के चलते पश्चिमी उ ार प्रदेश के मेरठ सहित कई जिलों में कक्षा एक से 12वीं के स्कूलों में शिक्षण कार्य रोक दिया गया है। प्रशासन की ओर से 31 जनवरी तक अवकाश घोषित कर दिया गया।

पंजाब, हरियाणा और दिल्ली में 29 दिसंबर तक घना कोहरा छाए रहेगा। मौसम विभाग ने पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव में पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र में छिटपुट बर्फबारी का पूर्वानुमान जताया है। जिसके तहत इस क्षेत्र में छिटपुट बारिश-बर्फबारी होने के आसार हैं। अगले 3 से 4 दिनों के दौरान पंजाब, हरियाणा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश और दिल्ली के कुछ हिस्सों में घना कोहरा छा सकता है। उत्तर पश्चिम भारत के लिए मौसम विभाग का पूर्वानुमान है कि 29 दिसंबर तक न्यूनतम तापमान 2 डिग्री तक गिर सकता है।

जम्मू-हिमाचल में बर्फबारी शुरू

उधर, जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश में सीजन की पहली बर्फबारी शुरू हो गई है। पर्यटक स्थल पहलगाम में सीजन की पहली बर्फबारी हुई है। इसके साथ ही गुलमर्ग में पर्यटकों का जमावड़ा लगना शुरू हो गया है। मौसम विभाग के मुताबिक घाटी के ऊपरी इलाकों में 29 और 30 को बर्फबारी के आसार हैं। हिमाचल प्रदेश में अटल टनल, रोहतांग समेत प्रदेश की अन्य ऊंची चोटियों पर ताजा बर्फबारी हुई है। चंबा के भरमौर, चुराह और किन्नौर की चोटियों पर भी हिमपात हुआ है। पूरा प्रदेश शीतलहर की चपेट में है। उत्तराखंड में येलो अलर्ट : मौसम विज्ञान केंद्र के निदेशक बिक्रम सिंह के मुताबिक उत्तराखंड में अगले चौबीस घंटे में ठंड बढ़ सकती है। ऊधमसिंहनगर और हरिद्वार जिलों में शीत लहर को लेकर यलो अलर्ट जारी किया गया है। सुबह से ही दोनों जिलों में घना कोहरा भी छाया हुआ है।

मॉकड्रिल का जायजा लेने पहुंचे स्वास्थ्य मंत्री ने अस्पताल में अपनी भी कराई जांच

» ठंड में टीशर्ट पहने मिले युवक को अपनी सदरी उतारकर पहनायी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी के अस्पतालों में कोरोना संक्रमण से बचाव की तैयारियों को परखने के लिए मंगलवार सुबह 10 बजे मॉक ड्रिल शुरू की गई। इसके तहत कोविड से निपटने के लिए तैयारियों को परखा जाएगा। प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक खुद भी तैयारियों का जायजा लेने के लिए लखनऊ के बलरामपुर अस्पताल में पहुंच गए और अफसरों व चिकित्सकों से जानकारी ली। मॉक ड्रिल प्रदेश के सभी चिकित्सा संस्थानों, मेडिकल कॉलेजों एवं जिला अस्पतालों में की जा रही है।

इस दौरान अस्पताल में मौजूद एक युवक को उन्होंने अपनी सदरी उतारकर दे दी। युवक ठंड में सिर्फ एक टीशर्ट पहने हुए था। उप मुख्यमंत्री ने अपनी सदरी उतारकर खुद उसे पहना दी। युवक का नाम बनवारी है और वह खुदरी बाजार लखनऊ का रहने वाला है।

फोटो: सुमित कुमार

मॉक ड्रिल में मिली खामियों को सप्ताह भर में दूर कर दिया जाएगा। उसी आधार पर दूसरे अस्पतालों में भी व्यवस्थाएं दुरुस्त कराई जाएंगी। जिन अस्पतालों में कमियां मिलेंगी, वहां सप्ताह भर बाद दोबारा मॉक ड्रिल होगी। यदि दूसरी बार भी कमियां रह जाती हैं तो उसके कारणों की पड़ताल की जाएगी। उन जिम्मेदारों के खिलाफ कार्रवाई भी होगी, जिनकी वजह से बार-बार खामियां छूट जा रही हैं।

डिप्टी सीएम ने की कार्रवाई: तीमारदार की पिटाई के मामले में अस्पताल सील

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। एक ओर राज्य की योगी सरकार प्रदेश में बेहतर स्वास्थ्य व्यवस्था और भ्रष्टाचार पर नकेल कसने जैसे दावे करती है, वहीं दूसरी ओर कुछ ऐसे मामले सामने आते हैं जो सरकार के इन दावों की हवा निकालते दिखाई देते हैं। हाल ही में फैजुल्लागंज स्थित एक निजी अस्पताल में स्टाफ द्वारा युवक की पिटाई करने का वीडियो सामने आया था। जिसके बाद मामला प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री व उपमुख्यमंत्री ब्रजेश के संज्ञान में आने के बाद अस्पताल को सील कर दिया गया है।

दरअसल, लखनऊ के फैजुल्लागंज के निजी अस्पताल मेड स्टार अस्पताल का वीडियो सामने आया था। जिसमें महिला कर्मी युवक का कपड़ा उतार कर उसे बेल्ट से पीटते दिख रही थी। इस दौरान अस्पताल के दूसरे कर्मचारी भी युवक के कपड़े उतारने के बाद बेल्ट, पाइप से पीटते नजर आ रहे थे। आरोप था कि निजी अस्पताल ने इलाज के नाम पर मोटी रकम वसूली। बावजूद इसके बकाया भुगतान न करने पर स्टॉफ ने युवक की जमकर पिटाई कर डाली। वीडियो सामने आने के बाद मामला प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री और डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक के संज्ञान में पहुंचा। इसके बाद स्वास्थ्य मंत्री द्वारा 3 सदस्यीय टीम को गठित कर मामले की जांच के आदेश दिए गए। जांच के पूरी होने के बाद अस्पताल को सील कर दिया गया। हालांकि, अस्पताल संचालक द्वारा ये बताया गया था कि अस्पताल में चोरी के बाद चोर को पकड़कर पीटा गया, यह वीडियो उसका है।

राजभर का सपा कार्यालय में आना प्रतिबंधित, दफ्तर के बाहर लगे पोस्टर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी और सुभासपा के बीच तकरार कम होने का नाम नहीं ले रही है। अब एक नया मामला सामने आया है, जिसके बाद दोनों के बीच फिर से तकरार बढ़ सकती है। दरअसल, मंगलवार को सपा कार्यालय के बाहर का एक वीडियो सामने आया है। वीडियो में सपा दफ्तर के बाहर ओम प्रकाश राजभर के अंदर आने पर प्रतिबंध का पोस्टर लगा दिख रहा है।

लखनऊ स्थित सपा कार्यालय के बाहर का एक वीडियो वायरल हो रहा है। इस वीडियो में सपा कार्यालय के बाहर एक पोस्टर लगा हुआ दिखाई दे रहा है। इस पोस्टर पर लिखा हुआ है, ओम प्रकाश राजभर जी का समाजवादी पार्टी कार्यालय में आना प्रतिबंधित है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार ये पोस्टर समाजवादी युवजन सभा की तरफ से लगाया गया है।

गठजोड़ टूटने के बाद से जारी है तकरार

दरअसल, दोनों ही पार्टियों का यूपी विधानसभा चुनाव के वक्त गठबंधन हुआ था। लेकिन चुनाव का रिजल्ट आने के कुछ दिन बाद ही दोनों का गठबंधन टूट गया। इस दौरान सुभासपा प्रमुख ने अखिलेश यादव पर खुलकर जुबानी हमले किए थे। जिसके बाद दोनों ही पार्टियों के बीच तकरार जारी है। हालांकि अब भी ओपी राजभर सपा प्रमुख पर जुबानी हमले करने का कोई मौका नहीं चुकते हैं। हालांकि इसके बाद सुभासपा और बीजेपी के बीच गठबंधन की अटकलें जोरों पर रही। सुभासपा प्रमुख ने कई मौकों पर सीएम योगी आदित्यनाथ की जमकर तारीफ की, जिसके बाद ये अटकलें और तेज हो गईं। हालांकि ओम प्रकाश राजभर ने तीन बार डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक से भी मुलाकात की है। लेकिन अभी बीजेपी के साथ गठबंधन को लेकर कोई स्पष्ट जानकारी सामने नहीं आई है।

सड़क हादसे में ईओ समेत तीन की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कन्नौज। आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस वे पर तेज कोहरा होने के कारण तेज रफ्तार कार आगे जा रही कंटेनर में घुस गई। हादसे में नगर पालिका के ईओ समेत तीन लोगों की मौत हो गई। हादसा सुबह 7:45 मिनट पर हुआ। तालग्राम थाना क्षेत्र के पास आगरा लखनऊ एक्सप्रेसवे पर कार अधिक कोहरा होने के कारण आगे चल रहे कंटेनर में पीछे से घुस गई।

मरने वालों में मेरठ के 30 वर्षीय तनुज तोमर जो मेरठ की नगरपालिका लावड़ थाना इंचोली में ईओ थे। वह अपनी नेक्सॉन कार से लखनऊ से मेरठ जा रहे थे। कार में उनके साथ नगरपालिका लावड़ के लिपिक सुधीर कुमार सिंह भी मौजूद थे। कार को मेरठ के ही रहने वाले असलम चला रहे थे। यूपीडा कर्मियों ने एक्सप्रेसवे से क्षतिग्रस्त वाहनों को हटा कर टोल पर खड़ा कराया। कार में मिले 3600 रुपए नकद, आधार कार्ड, एक मोबाइल तथा एक अटैची मिली है।

भारत जोड़ो यात्रा का लोनी बॉर्डर से यूपी में होगा प्रवेश

» तीन जनवरी से तीन दिन में तीन जिले करेंगे कवर

» गाजियाबाद, बागपत व शामली में रहेंगे राहुल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राहुल गांधी की भारत जोड़ा यात्रा उत्तर प्रदेश में लोनी बार्डर से प्रवेश करेगी। यात्रा यूपी में तीन दिन रहेगी। तीन जनवरी को गाजियाबाद जिले के लोनी में दाखिल होने के बाद लोनी बार्डर से लोनी तिराहा होते हुए चार जनवरी को बागपत जनपद में जायेगी।

पीसीसी से जारी किये गये कार्यक्रम के अनुसार तीन जनवरी को दिनभर यात्रा गाजियाबाद के लोनी क्षेत्र में रहेगी। वहीं 4 जनवरी को बागपत के मवी कलां गांव में दाखिल होगी। मवी कलां से बागपत, सिसाना, सरूरपुर होते हुए इसी दिन बड़ौत पहुंचेगी। पांच जनवरी को शामली जिले के एलम, कांधला, ऊंचागांव होते हुए शाम में कैराना में भारत जोड़ा यात्रा का पड़ाव रहेगा।

आप की शैली के सामने भाजपा की रेखा मैदान में

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली में एमसीडी चुनाव के बाद अब मेयर चुनाव को लेकर सरगर्मियां तेज हो गई हैं। 15 साल बाद एमसीडी की सत्ता गंवाने वाली भाजपा ने आप की उम्मीदों को थोड़ा झटका दिया है। मेयर चुनाव में एकतरफा जीत की आस लगाए बैठी आप की उम्मीदवार शैली ओबेरॉय की उम्मीदों पर पानी फेरते हुए भाजपा ने मेयर चुनाव के लिए अपना प्रत्याशी रेखा गुप्ता को चुनाव मैदान में उतार दिया है।

इसके साथ ही कमलजीत सहरावत स्थायी समिति के लिए बीजेपी की प्रत्याशी होंगी, तो वहीं उप महापौर के लिए बीजेपी ने कमल बागड़ी को प्रत्याशी घोषित किया है। सोमवार को ही बीजेपी शामिल हुए निर्दलीय पार्षद गजेंद्र दराल भी स्थायी समिति के लिए बीजेपी के उम्मीदवार होंगे। इससे पहले आप ने दिल्ली मेयर पद के लिए ईस्ट पटेल नगर से पार्षद शैली ओबेरॉय को अपना उम्मीदवार बनाया है।

यात्रियों की 15 घंटे सांसत में रही जान

कोहरे में भटकता रहा इंडिगो का विमान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मुंबई से बरेली के लिए उड़े विमान को कोहरे के कारण पहले दिल्ली फिर लखनऊ भटकना पड़ा। आखिरकार यात्रियों को लखनऊ से सड़क मार्ग के जरिए बरेली पहुंचाया गया। मुंबई से बरेली तक का फ्लाइट टाइम तीन घंटे हैं, पर कोहरे के कारण यात्री 15 घंटे से अधिक समय में गंतव्य तक पहुंच पाए।

मुंबई से दिन में 11:18 बजे पर इंडिगो के विमान संख्या- 6ई 0918 को बरेली के लिए उड़ान भरनी थी और दोपहर 2:10 बजे बरेली में लैंड करना था। लेकिन मौसम की खराबी की वजह से यह विमान मुंबई से ही करीब 2 घंटे की देरी से रवाना हुआ। शाम करीब चार बजे विमान बरेली पहुंचा पर कोहरे के कारण रनवे की लाइटें नहीं दिखीं। कुछ देर चक्कर लगाने विमान को दिल्ली भेज दिया गया। विमान को दिल्ली में रोक लिया गया। थोड़ी देर बाद विमान ने दिल्ली एयरपोर्ट से उड़ान भरी और 6:30 बजे फिर बरेली पहुंचा। इस वक्त कोहरा और घना हो गया था। ऐसे में विमान को लखनऊ भेजा गया। विमान ने 7:30 बजे चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर लैंडिंग की। धीरे-धीरे कोहरा और घना होता जा रहा था। ऐसे में यात्रियों को रात 9 बजे सड़क मार्ग से बरेली रवाना किया गया। सड़क मार्ग से इस दूरी को तय करने में 4:30 घंटे लगते हैं।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।